पांच मुख्य इस्पात कारखानों का विक्रय इस्पात का उत्पादन निम्नलिखित था :—

(हजार टन)

कारखाने का नाम	1969-70	1968-69	1967-68
टिस्को	1439.4	1465.8	1533.8
इस्को	567.8	656.0	610.9
भिलाई	1496.0	1344.6	1251.6
दुर्गापुर	493.5	495.8	523.6
राउर-केला	796.0	739.1	604.4
कुल योग	4792.7	4701.3	4524.3

(स्रोत : 1967-68 और 1968-69 के आंकड़े आइरन एण्ड स्टील कन्ट्रोल बुलेटिन और 1969-70 के आकड़े कारखानों से प्राप्त किये गये हैं)

टिस्को को छोड़ कर दूसरे कारखाने निर्धारित क्षमता पर उत्पादन नहीं कर रहे हैं, जिसका कारण अंशत: मालिक-मजदूर सम्बन्ध अच्छे न होने और अंशत: तकनकी और परिचालन सम्बन्धी कठिनाइयां हैं ।

(ग) टिस्को, इस्को, राउरकेला और भिलाई के इस्पात कारखानों को 1969-70 के वर्ष में कोई घाटा नहीं हुआ । 1969-70 में दुर्गापुर इस्पात कारखाने को घाटा लगातार कम उत्पादन करने के कारण हुआ है, जिसका कारण मालिक-मजदूर सम्बन्ध अच्छे न होना तथा तकनीकी / परिचालन कठिनाइयां है ।

[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) and (b) Production of saleable steel by the five main steel plants during the last three years was as follows :

(in thousand tonnes)

Name of the Plant	1969-70	1968-69	1967-68
T.I.S.C.O. .	1439·4	1465·8	1533·8
I.I.S.C.O. .	567·8	656·0	610·9
Bhilai . .	1496·0	1344·6	1251·6
Durgapur .	493·5	495·8	523·6
Rourkela .	796·0	739·1	604·4
GRAND TOTAL	4792·7	4701·3	4524·3

(*Source* : For 1967-68 and 1968-69 Iron & Steel Control Bulletins. For 1969-70—Plans.)

Except for TISCO, the other plants are not producing upto their rated capacity partly due to the poor industrial relations and partly to technical and operational difficulties.

(c) TISCO, IISCO, Rourkela and Bhilai Steel Plants did not incur any loss during the year 1969-70. The loss incurred by Durgapur Steel Plant during 1969-70 was due to continued low production on account of poor industrial relations and technical/operational difficulties.]

रेलवे वर्कशापों और रेलवे यार्डों में चोरी के मामले

1213. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1967-68, 1968-69 और 1969-70 के वर्षों में रेलवे वर्कशापों और रेलवे यार्डों में चोरी के परिणामस्वरूप रेलवे को कितनी हानि हुई;

(ख) क्या सरकार को 11 सूत्री कार्यक्रमों के द्वारा इस स्थिति में कुछ सुधार लाने की सफलता मिली है; यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है; और

†[ ] English translation.

(ग) क्या यह सच है कि रेलवे के उच्च अधिकारी 11 सूत्री कार्यक्रम का उपयोग यात्रा भत्तों और ठेकों आदि के सिलसिले में अपने लाभ के लिए कर रहे हैं ?

[CASES OF THBP IS IN RAILWAY WORKSHOPS ANr RAILWAY YARDS

1213. SHRI I. P. YADAV : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) the loss s.iffered by Railways as a result of thefts in Railway workshops and Railway y .rds during the years 1967-68, 1968-6 ! and 1969-70;

(b) whether iovernment have succeeded in brin; ing about some improvement in the- situation through the 11 point programme, if so, the details thereof; and

(c) whether it is a fact that higher railway official, are utilising the 11 point programmi for their own benefits in respect of travelling allowances, contracts etc?]

रेल मंत्री (श्री गुलजारी लाल नन्दा) : (क)

वर्ष		रेल कारखानों में चोरियां (शुद्ध)	रेल यार्डों में चोरियां (शुद्ध)
		रुपये	रुपये
1967-68	.	,72,080	4,82,562
1968-69	.	80,278	6,33,191
1969-70	.	89,833	3,80,898

(ख) उपर्युक्त आंकड़ों से पता चलता है कि 1967-68 की तुलना में 1969-70 में स्थिति में सुधार हुआ है ।

चोरी और उठाई गीरी की रोक-थाम करने और चोरी एवं उठाई गीरी के कारण पैदा होने वाले क्षतिपूर्ति के दावों की रोक-थाम के लिए ग्यारह सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न उपाय किये गये हैं कुछ रेलों पर स्थिति में स्पष्ट सुधार दिखायी दिया है, लेकिन जैसे-जैसे इस कार्यक्रम पर अमल होता जायगा, इन उपायों का पूरा मूल्यांकन किया जा सकेगा ।

t[THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GULZARILAL NANDA): (a)

Year		Thefts in Railway Workshops (Net)	Thefts in Railway yards (Net)
		Rs.	Rs.
1967-68	.	1,72,080	4,82,562
1968-69	.	80,278	6,33,191
1969-70	.	89,833	3,80,898

(b) The above figures indicate improvement in the position for 1969-70 as compared to 1967-68.

Various steps have been taken under the Eleven-Point Programme to check thefts and pilferages as also to prevent claims for compensation arising out of thefts and pilferages. While discernible improvement has been noticed on certain Railways, full appreciation of the measures taken will be available as the programme is progressively implemented.

(c) No.]

POSTING OF SHRI S. *P.* SONKER AS R.T.A.

1214. SHRI N. P. CHAUDHARI : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Shri S. P. Sonker was posted as R.T.A. in the grade of Rs. 250-380 at ALD. CNL *vide* order of DPO dated the 11th June, 1965;

(b) whether it is also a fact that he was posted as junior ATN in the grade of Rs. 205-280 at ALD, just after a week of the above-mentioned order ;

(c) if so, whether it is not against the spirit of the order of Railway Headquarters letter No. 220 B/172-Vt (Rec II) dated the 27th May, 1965; and

Hi) the steps Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GULZARILAL NANDA) : (a) Yes.

(b) Yes. /

t[ ] English translation.